रणजीत टाइम्स

इंदौर

सोमवार, 8 जून, 2026

वर्ष 02 | अंक 138 कुल पृष्ठ : 8 | Digital

RNI-NO.MPHIN/2015/64585

प्रधान संपादक : गोपाल गावंडे

सावधान रहो

जो लोग फँसाना चाहते हैं,
अपने जाल में उलझाना चाहते हैं,

जो लोग घेरकर वार करें,
मीठी बातों से व्यापार करें,

जो लोग आपका शिकार करें,
स्वार्थ के लिए प्यार करें,

ऐसे लोगों से रहना दूर,
मत मिलाना उनके सुर में सुर।

हर मुस्कान सच्ची नहीं होती,
हर दोस्ती अच्छी नहीं होती,

कुछ चेहरे नकाब पहनते हैं,
मौका देखकर रंग बदलते हैं।

सीखो "ना" भी कहना यार,
यही बनाता जीवन सशक्त और शानदार।

जहाँ ज़रूरी हो "हाँ" कहो,
जहाँ गलत लगे वहाँ "ना" कहो।

जो हर बात पर झुक जाता है,
वह अक्सर धोखा खा जाता है।

अपनी सीमा खुद तय करना,
हर रिश्ते को मत सिर पर धरना।

सम्मान करो, सम्मान लो,
पर अपने स्वाभिमान को कभी मत खो।

दुनिया में वही मजबूत कहलाता है,
जो सही समय पर इंकार भी कर पाता है।

इसलिए अपनी पहचान बनाओ,
सच और विवेक का दीप जलाओ।

जो फँसाना चाहें, उनसे दूर रहो,
अपने जीवन के स्वयं हुजूर रहो।

"हर किसी को खुश करना ज़रूरी नहीं
खुद को बचाकर रखना ज़रूरी है।"

कवि- गोपाल गावंडे

वैश्विक चुनौतियों के बीच आर्थिक विकास पर मंथन

पीएम मोदी ने सलाहकार परिषद संग की अहम बैठक

नई दिल्ली। वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं और पश्चिम एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव के बीच प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आर्थिक सलाहकार परिषद (ईएसी-पीएम) के सदस्यों के साथ महत्वपूर्ण बैठक की।

बैठक में भारत की आर्थिक विकास दर को और गति देने, निवेश को प्रोत्साहित करने तथा आम नागरिकों के जीवन को अधिक सरल और सुविधाजनक बनाने से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। सूत्रों के अनुसार, बैठक में मौजूदा वैश्विक परिस्थितियों का भारतीय अर्थव्यवस्था पर पड़ने वाले संभावित प्रभावों का आकलन किया गया। विशेष रूप से पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष, अंतरराष्ट्रीय व्यापार, ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखला और वैश्विक बाजारों में बढ़ती अस्थिरता को लेकर विशेषज्ञों ने अपने विचार साझा किए। परिषद के सदस्यों ने बदलते वैश्विक परिदृश्य में भारत के लिए उपलब्ध अवसरों और संभावित चुनौतियों पर भी विस्तृत प्रस्तुति दी।

बैठक के दौरान

'ईज ऑफ लिविंग' और 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' को और बेहतर बनाने के लिए आवश्यक सुधारों पर भी विचार-विमर्श किया गया। सरकार का जोर ऐसी नीतियों पर है, जिनसे नागरिकों को सरकारी सेवाएं अधिक सरलता से उपलब्ध हों और उद्योग-व्यापार जगत के लिए कारोबारी माहौल और अधिक अनुकूल बन सके। प्रधानमंत्री मोदी ने विशेषज्ञों के सुझावों को गंभीरता से सुना और आर्थिक विकास की गति बनाए रखने के लिए नवाचार, निवेश, रोजगार सृजन तथा बुनियादी ढांचे के विस्तार पर विशेष बल दिया।

बैठक में

इस बात पर भी चर्चा हुई कि वैश्विक अस्थिरता के बावजूद भारत अपनी मजबूत आर्थिक बुनियाद, बढ़ते घरेलू बाजार और सुधारोन्मुखी नीतियों के दम पर दुनिया की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में अपनी स्थिति और मजबूत कर सकता है।

विशेषज्ञों का मानना है कि

ऐसे दौर में सरकार और आर्थिक सलाहकारों के बीच लगातार संवाद देश की विकास यात्रा को नई दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

गृह मंत्री अमित शाह ने अंतरराष्ट्रीय सीमाओं पर वित्तीय लेनदेन पर कड़ी निगरानी का आह्वान किया

गृह मंत्री अमित शाह ने अंतरराष्ट्रीय सीमाओं पर वित्तीय लेनदेन, भवन निर्माण और संपत्तियों की खरीद-बिक्री पर कड़ी निगरानी रखने का आह्वान किया है। यह निर्देश श्री शाह की अध्यक्षता में बीएसएफ के त्रिपुरा सीमा मुख्यालय में पूर्वोत्तर राज्य के सीमावर्ती क्षेत्रों के संबंध में हुई बैठक के दौरान दिया गया। गृह मंत्री ने पिछले पांच वर्षों के भूमि अभिलेखों की जांच कराने का भी निर्देश दिया। श्री शाह ने कहा कि मादक पदार्थों और हथियारों की तस्करी के खिलाफ लगातार अभियान चलाए जाने चाहिए और मादक पदार्थों की तस्करी में शामिल सभी लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि सीमावर्ती जिलों में वित्तीय अनुशासन सुनिश्चित करना राज्यों की जिम्मेदारी है। श्री शाह ने कलेक्टरों और जीएसटी अधिकारियों को प्रशिक्षित करने और केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) को नकली मुद्रा का सर्वेक्षण करने का निर्देश दिया।

गृह मंत्री ने कहा कि सीमावर्ती क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को मादक पदार्थों और हथियारों के खतरे से निपटने के लिए प्रशिक्षित करने हेतु शिविर आयोजित किए जाने चाहिए और इन शिविरों में पटवारियों (पहरेदारों), स्थानीय पुलिस और बीएसएफ कर्मियों की उपस्थिति सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। बैठक में इस बात पर बल दिया गया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार अंतरराष्ट्रीय सीमाओं पर उच्चतम स्तर की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए दृढ़ संकल्पित है, साथ ही सीमावर्ती क्षेत्रों के समग्र विकास और सुरक्षा के लिए केंद्रीय और राज्य एजेंसियों के बीच घनिष्ठ समन्वय को बढ़ावा दे रही है। बैठक में त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा, मुख्य सचिव जे.के. सिन्हा, डीजीपी अनुराग धनखड़ और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ-साथ सभी आठ सीमावर्ती जिलों के जिला मजिस्ट्रेट और पुलिस अधीक्षक भी उपस्थित थे।

"मैं हिंदू धर्म और अपनी पहचान नहीं छोड़ सकता..."

शपथ ग्रहण में हिंदू परंपराओं के पालन पर उठे सवालों का दिया जवाब, बोले- आस्था निजी है, राजनीति नहीं

कर्नाटक के मुख्यमंत्री ने अपनी धार्मिक आस्था को लेकर चल रही चर्चाओं के बीच स्पष्ट कहा है कि वह अपना हिंदू धर्म और अपनी पहचान नहीं छोड़ सकते। उन्होंने कहा कि हिंदू रीति-रिवाजों का पालन करना उनकी व्यक्तिगत आस्था का हिस्सा है और इसे राजनीतिक नजरिए से नहीं देखा जाना चाहिए। डीके शिवकुमार ने कहा कि मुख्यमंत्री पद की शपथ से पहले और बाद में किए गए धार्मिक अनुष्ठान उनकी निजी श्रद्धा और पारिवारिक परंपराओं से जुड़े थे। उन्होंने कहा, "मैं हिंदू हूं और अपनी आस्था का पालन करता हूं। मैं अपनी पहचान और धर्म को नहीं छोड़ सकता। इसका राजनीति से कोई संबंध नहीं है।"

मुख्यमंत्री ने यह भी स्पष्ट किया कि संविधान और लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति उनकी प्रतिबद्धता सर्वोपरि है तथा सरकार सभी धर्मों और समुदायों के लिए समान रूप से काम करेगी। उन्होंने कहा कि किसी भी व्यक्ति को अपनी धार्मिक मान्यताओं का पालन करने का अधिकार है और इसे विवाद का विषय नहीं बनाया जाना चाहिए। हाल के दिनों में शपथ ग्रहण समारोह और उससे जुड़े धार्मिक आयोजनों को लेकर राजनीतिक हलकों में चर्चा तेज हुई थी। विपक्षी दलों और कुछ सामाजिक समूहों ने इस पर सवाल उठाए थे, जिसके बाद शिवकुमार ने अपनी स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा कि उनकी धार्मिक आस्था निजी विषय है, जबकि शासन और प्रशासन संविधान के दायरे में ही संचालित होगा।

विवाद बढ़ा तो झुके विधायक : डकैत रामबाबू गड़रिया को 'सुख-दुख का साथी' बताने पर प्रीतम लोधी ने मांगी माफी

अतुल जैन

वीडियो जारी कर बोले-किसी समाज या व्यक्ति की भावनाएं आहत करना मेरा उद्देश्य नहीं था, हृदय से खेद व्यक्त करता हूं

पिछोर। अहिल्याबाई होल्कर जयंती समारोह में दिए गए एक विवादित बयान को लेकर घिरे पिछोर विधायक प्रीतम लोधी ने आखिरकार सार्वजनिक रूप से खेद व्यक्त किया है। विधायक द्वारा कुख्यात डकैत रामबाबू गड़रिया को मंच से अपना "सुख-दुख का साथी" बताए जाने के बाद क्षेत्र में शुरू हुआ विवाद लगातार गहराता जा रहा था। गुर्जर समाज सहित कई सामाजिक संगठनों और आम नागरिकों द्वारा विरोध जताए जाने के बाद विधायक ने सोशल मीडिया पर वीडियो जारी कर सफाई दी और कहा कि यदि उनके किसी वक्तव्य से किसी की भावनाएं आहत हुई हैं तो वे उसके लिए हृदय से खेद व्यक्त करते हैं।

(31 मई के कार्यक्रम से शुरू हुआ विवाद)

मामला 31 मई को पिछोर में आयोजित देवी अहिल्याबाई होल्कर जयंती समारोह का है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे विधायक प्रीतम

लोधी ने अपने संबोधन के दौरान कुख्यात डकैत रामबाबू गड़रिया का उल्लेख करते हुए उसे अपना "सुख-दुख का साथी" बताया था। इतना ही नहीं, कार्यक्रम स्थल पर रामबाबू गड़रिया की तस्वीर पर माल्यार्पण किए जाने की तस्वीरें और वीडियो भी सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुए थे। जैसे ही यह वीडियो और तस्वीरें सामने आईं, पूरे क्षेत्र में राजनीतिक और सामाजिक बहस छिड़ गई। लोगों ने सवाल उठाया कि आखिर एक जनप्रतिनिधि द्वारा ऐसे व्यक्ति के लिए सम्मानजनक शब्दों का इस्तेमाल क्यों किया गया, जिसका नाम अपराध और दस्यु गतिविधियों से जुड़ा रहा है।

(गुर्जर समाज समेत कई संगठनों ने जताई थी नाराजगी)

विधायक के बयान के बाद गुर्जर समाज सहित कई सामाजिक संगठनों ने कड़ी आपत्ति दर्ज कराई थी। विभिन्न मंचों पर विरोध के स्वर उठे और बयान की निंदा की गई। सोशल मीडिया पर भी विधायक के खिलाफ टिप्पणियों और प्रतिक्रियाओं की बाढ़ आ गई थी। राजनीतिक गलियारों में भी इस बयान को लेकर चर्चाएं तेज हो गई थीं। विपक्षी दलों ने इसे मुद्दा बनाते हुए भाजपा और विधायक दोनों पर निशाना साधा था। कई लोगों का कहना था कि ऐसे बयान समाज में गलत संदेश देते हैं और अपराधियों का महिमामंडन करने जैसा प्रतीत होते हैं।

(बढ़ते दबाव के बीच जारी किया वीडियो संदेश)

लगातार बढ़ रहे विवाद और जनभावनाओं को देखते हुए विधायक प्रीतम लोधी ने रविवार को सोशल मीडिया पर एक वीडियो जारी कर अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि वह बघेल समाज के कार्यक्रम में अतिथि के रूप में शामिल हुए थे और भाषण के दौरान यदि कोई ऐसी शब्दावली उनके द्वारा प्रयोग हो गई जिससे किसी व्यक्ति या समाज को ठेस पहुंची हो तो वह उसके लिए खेद व्यक्त करते हैं।

(वीडियो में विधायक ने कहा—) "मेरा ऐसा कोई उद्देश्य नहीं था कि किसी व्यक्ति या समाज की भावनाओं को आहत करूं। यदि मेरे किसी वक्तव्य से किसी की भावनाएं आहत हुई हैं तो मैं उसके लिए हृदय से खेद व्यक्त करता हूं।"

(सौहार्द और सम्मान की बात दोहराई)

अपने स्पष्टीकरण में विधायक ने यह भी कहा कि उनका सार्वजनिक जीवन हमेशा सभी वर्गों के सम्मान, सामाजिक सौहार्द और भाईचारे को मजबूत करने के लिए समर्पित रहा है। उन्होंने कहा कि वे सभी समाजों का सम्मान करते हैं और आगे भी सामाजिक समरसता बनाए रखने के लिए कार्य करते रहेंगे।

नवीन एसडीओपी कार्यालय भवन का लोकार्पण, पुलिस व्यवस्था को मिलेगी नई मजबूती

हेमंत भार्गव

शिवपुरी/शिवपुरी, करैरा में नवीन एसडीओपी कार्यालय भवन का लोकार्पण समारोह गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। इस अवसर पर पुलिस महानिरीक्षक श्री अरविंद कुमार सक्सेना मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक श्रीमती यांगचेन डोलकर भूटिया, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री संजीव मूले, एसडीओपी डॉ. आयुष जाखड़ तथा एसडीएम श्री अनुराग निंगवाल सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

अतिथियों द्वारा फीता काटकर नवीन एसडीओपी कार्यालय भवन का लोकार्पण किया गया। इस दौरान पुलिस थाना परिसर स्थित सीसीटीवी कंट्रोल रूम का भी अवलोकन कर वहां उपलब्ध व्यवस्थाओं की जानकारी प्राप्त की गई। अधिकारियों ने कहा कि नवीन कार्यालय भवन के संचालन से पुलिस कार्यों में और अधिक सुगमता आएगी तथा आमजन को बेहतर, पारदर्शी एवं त्वरित सेवाएं उपलब्ध कराई जा सकेंगी। साथ ही सीसीटीवी आधारित निगरानी व्यवस्था से कानून-व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने में सहायता मिलेगी।

पुलिस अधिकारियों एवं गणमान्य नागरिकों की रही उपस्थिति

कार्यक्रम में पुलिस विभाग के अधिकारी-कर्मचारी, जनप्रतिनिधि एवं क्षेत्र के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। सभी ने नवीन भवन के शुभारंभ पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए इसे क्षेत्र की सुरक्षा एवं प्रशासनिक व्यवस्थाओं को सुदृढ़ करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया।

विश्व साइकिलिंग दिवस पर निकाली गई "संडे ऑन साइकिल" रैली 200 से अधिक प्रतिभागियों ने दिया फिटनेस और पर्यावरण संरक्षण का संदेश

हेमंत भार्गव

शिवपुरी/ फिट इंडिया अभियान के अंतर्गत विश्व साइकिलिंग दिवस के उपलक्ष्य में रविवार को जिला मुख्यालय पर "संडे ऑन साइकिल" कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में लगभग 200 साइकिलिस्ट एवं नागरिकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता कर फिटनेस, स्वस्थ जीवनशैली और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती नेहा यादव उपस्थित रहीं। इस अवसर पर सांसद प्रतिनिधि श्री हरिओम राठौर, श्री विजय शर्मा, श्री हरवीर रघुवंशी एवं श्री लवलेश जैन सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने सहभागिता की। वहीं जिला प्रशासन की ओर से मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री विजय राज, अतिरिक्त सीईओ श्री ब्रह्मेंद्र गुप्ता, जिला खेल एवं युवा कल्याण अधिकारी डॉ.के.के. खरे तथा जिला क्रीड़ा अधिकारी श्री चंद्रशेखर बेमते सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। तात्या टोपे स्मारक से प्रारंभ हुई साइकिल रैली साइकिल रैली का शुभारंभ तात्या टोपे स्मारक से किया गया। रैली कलेक्ट्रेट, कोर्ट रोड, माधव चौक एवं गुरुद्वारा चौक होते हुए पुनः तात्याटोपे स्मारक पहुंचकर संपन्न हुई। प्रतिभागियों ने पूरे मार्ग में नियमित व्यायाम, साइकिलिंग और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जनजागरूकता का संदेश दिया।

फिट इंडिया अभियान को मिला जनसमर्थन

कार्यक्रम में शिवपुरी पेडलर ग्रुप के अध्यक्ष श्री प्रवीण गोयल, एडवोकेट श्री विष्णु गोयल, श्री अजय बाथम, श्री शिशुपाल सहित बड़ी संख्या में खेल प्रेमियों एवं नागरिकों ने भाग लिया। स्कूली छात्र छात्रों की भी अहम भूमिका रही। आयोजन के माध्यम से युवाओं एवं आमजन को नियमित साइकिलिंग अपनाने तथा स्वस्थ एवं सक्रिय जीवनशैली के लिए प्रेरित किया गया।

रणजीत टाइम्स

विश्व साइकिल दिवस पर धार में निकली जागरूकता रैली : केंद्रीय राज्य मंत्री सावित्री ठाकुर ने दिखाई हरी झंडी, स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का दिया संदेश

दिलीप पाटीदार

धार भारत सरकार खेल मंत्रालय की खेलों इंडिया योजना मिशन पहल के तहत भारत के सभी नागरिकों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने और फिटनेस को अपनी दिनचर्या में शामिल करने के उद्देश्य से चलाए जा रहे फिट इंडिया साइकिलिंग अभियान के "संडे ऑन साइकिल" कार्यक्रम की कड़ी में इस रविवार 07 जून 2026 को भारतीय खेल प्राधिकरण द्वारा समस्त भारत वर्ष में विश्व साइकिल दिवस के अवसर पर "संडे ऑन साइकिल" कार्यक्रम तथा फिटनेस रैली का आयोजन किया गया उक्त आयोजन में मुख्य अतिथि के रुप में केन्द्रीय राज्यमंत्री, महिला एवं बाल विकास मंत्रालय,भारत सरकार व सांसद श्रीमती सावित्री ठाकुर तथा विशेष अतिथि के रुप में कलेक्टर श्री राजीव रंजन मीना एवं पुलिस अधीक्षक श्री सचिन शर्मा सम्मिलित हुए। केन्द्रीय राज्यमंत्री, महिला एवं बाल विकास मंत्रालय,भारत सरकार श्रीमती सावित्री ठाकुर अपने उद्बोधन में समस्त धार वासियों को पर्यावरण संरक्षण एवं व्यक्तिगत स्वास्थ्य को बढाने हेतु सायकल का उपयोग करने हेतु प्रोत्साहित किया गया।

इस कड़ी में भारतीय खेल प्राधिकरण धार द्वारा आयोजित साईकिल रैली में धार जिले के विंग्स पोद्दार लर्न विद्यालय,जिला पुलिस बल के महिला एवं पुरूष आरक्षक,खेल एवं युवा कल्याण विभाग, पीएम श्री केंद्र विद्यालय, सेंट जार्ज स्कुल के बच्चो एवं धार जिले के विभिन्न विद्यालयों से आये बच्चो एवं जनसमान्य के द्वारा साई सेंटर जैतपुरा धार में सम्मिलित होकर फिटनेस को अपने दैनिक जीवन का अभिन्न अंग बनाने के उद्धेश्य से भागीदारी की गई , साथ ही कार्यक्रम में आये प्रतिभागियो को स्ट्रेचिंग, रस्सी कूद एवं जुम्बा जैसी गतिविधियों में भी सक्रियता से उत्साह-पूर्वक भाग लिया गया। तत्पश्चात विशेष अतिथि श्री राजीव रंजन मीना एवं पुलिस अधीक्षक श्री सचिन शर्मा द्वारा सायकल रेली में भाग लिया गया एवं कार्यक्रम में आये सभी प्रतिभागियों को साइकिल चलाने को अपने दैनिक जीवन मे अपनाने के लिए प्रेरित किया, जिससे कि न सिर्फ सभी का स्वास्थ्य बेहतर होकर मोटापे और विभिन्न बीमारियों से दूर भी रहेंगे और पर्यावरण के प्रदूषण को भी कम करने में मदद मिलेगी । कार्यक्रम में विंग्स पोद्दार विद्यालय के डायरेक्टर श्री आशीष महंत,श्री राजेंद्र कुमार साहू (प्रिंसिपल) एवं श्री प्रकाश पटेल (खेल प्रशिक्षक) की भी सक्रिय भागीदारी रही| तथा अज़ीम प्रेमजी फाउंडेशन की श्रीमती गरिमा वर्मा एवं पूनम मिश्रा के द्वारा पर्यावरण के प्रति जागरूकता के सम्बन्ध में जानकारी प्रदान की गयी। कार्यक्रम में भारतीय खेल प्राधिकरण, धार के द्वारा प्रतिभागियो को टी-शर्ट तथा श्रीमती दीर्घा राजावत (युवा अधिकारी, माय भारत) के द्वारा केप का वितरण किया गया, तथा NORTIC HEALTH CARE PVT LTD के पदाधिकारी श्री मोनू रजक तथा श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर द्वारा ENERGY ड्रिंक का वितरण किया गया। यह फिटनेस साइकिल रैली एसटीसी धार से त्रिमूर्ति चौराहा से वापस भारतीय खेल प्राधिकरण तक लगभग 4 किलोमीटर के साथ समाप्त हुई । इस कार्यक्रम में भारतीय खेल प्राधिकरण की ओर से केंद्र प्रभारी श्री नरेश कुमार भावसार, ताईक्वांडो प्रशिक्षक श्री ओमप्रकाश माखनिया, प्रशिक्षक तीरंदाजी श्री राजेश तम्बोलिया, सहायक प्रशिक्षक तीरंदाजी श्री विकास कुमार, श्री मनीष लोधी एवं अन्य स्टाफ कर्मचारीगण और साई के खिलाड़ी विशेष रूप से उपस्थित रहे और कार्यक्रम को सफल बनाने में अपना योगदान दिया ।

सर्व ब्राह्मण युवा संगठन पूर्वी क्षेत्र के महासचिव पंडित राजेश दुबे जी का जन्मदिन सामाजिक समरसता एवं सौहार्द के वातावरण में बड़े ही धूमधाम से मनाया गया

इस अवसर पर क्षेत्र के अनेक गणमान्य नागरिकों, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं संगठन पदाधिकारियों ने उपस्थित होकर उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं तथा उनके उज्ज्वल भविष्य एवं दीर्घायु जीवन की कामना की। कार्यक्रम में भाजपा नगर मंत्री नेहा शर्मा जी, सर्व ब्राह्मण युवा संगठन पूर्वी क्षेत्र के अध्यक्ष राकेश जोशी जी, संरक्षक राजेश तिवारी जी, कोषाध्यक्ष शिव परासर जी, उपाध्यक्ष मनीष शर्मा जी, उपाध्यक्ष प्रवीण जोशी जी, संजय शर्मा जी, प्रतीक रावत जी, राजेश मिश्रा जी, भेरू लाल पाटीदार जी, मनीष यादव जी, रूपेश ठाकुर जी, राजेश ठाकुर जी, बड़ गुर्जर जी, विनोद व्यास जी ,आशिष पाठक जी, अखिलेश सोनी जी, अग्रवाल जी, माणक लाल यादव जी, भागवत जी सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे।

विश्व साइकिल दिवस पर निकली 'संडे ऑन साइकिल' रैली, पुलिस अधीक्षक सहित अधिकारियों-कर्मचारियों ने दिया स्वास्थ्य और पर्यावरण संरक्षण का संदेश

दिलीप पाटीदार

धार विश्व साइकिल दिवस के उपलक्ष्य में खेल एवं युवा कार्यक्रम मंत्रालय भारत सरकार एवं भारतीय खेल प्राधिकरण (SAI) द्वारा आयोजित 'संडे ऑन साइकिल' कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक धार श्री सचिन शर्मा सहीत विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए स्वस्थ जीवनशैली और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक के नेतृत्व में बड़ी संख्या में पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी शामिल हुए। सभी प्रतिभागियों ने साइकिल चलाकर लोगों को नियमित व्यायाम अपनाने, ईंधन की बचत करने तथा प्रदूषण कम करने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम की शुरुआत खेल प्रशिक्षण केंद्र जेतपुरा से प्रारंभ होकर साइकिल रैली के रूप में आयोजित किया गया। इस दौरान पुलिस अधीक्षक धार सचिन शर्मा ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए साइकिल के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में बढ़ते प्रदूषण, तनावपूर्ण जीवनशैली और स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियों के बीच साइकिल एक सरल, सुलभ और प्रभावी माध्यम है, जो व्यक्ति को शारीरिक रूप से स्वस्थ रखने के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। कार्यक्रम में शामिल अधिकारियों ने बताया कि साइकिल न केवल एक बेहतर व्यायाम है, बल्कि यह हृदय स्वास्थ्य को मजबूत बनाने, शारीरिक क्षमता बढ़ाने और मानसिक तनाव को कम करने में भी सहायक है। उन्होंने युवाओं और आम नागरिकों से सप्ताह में कम से कम एक दिन साइकिल चलाने तथा इसे अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाने की अपील की।

बीजेपी और संगठन आमने-सामने
इंदौर की घटना ने खड़े किए कई सवाल

राजेश धाकड़

इंदौर की राजनीति हमेशा से प्रदेश की राजनीति का आईना मानी जाती रही है। यहाँ संगठन की मजबूती, कार्यकर्ताओं की निष्ठा और भाजपा की अनुशासित कार्यशैली की मिसालें दी जाती रही हैं। लेकिन आज जो दृश्य देखने को मिला, उसने राजनीतिक गलियारों में एक नई बहस छेड़ दी है। सवाल केवल एक घटना का नहीं है, सवाल उस विचारधारा, उस संगठनात्मक संस्कृति और उस राजनीतिक चरित्र का है जिसके दम पर भारतीय जनता पार्टी दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी होने का दावा करती है।

क्या वास्तव में आज भाजपा वह भाजपा नहीं रही, जिसे कार्यकर्ता अपनी माँ समान मानते थे? क्या अब संगठन और सत्ता के बीच दूरी बढ़ती जा रही है? क्या कांग्रेस की राजनीति का प्रभाव अब भाजपा की कार्यशैली में भी दिखाई देने लगा है? ये प्रश्न आज आम कार्यकर्ता के मन में उठ रहे हैं। इंदौर में हुई घटना केवल एक स्थानीय विवाद नहीं है। यह उस अंदरूनी असंतोष की झलक है जो धीरे-धीरे जमीन पर दिखाई देने लगा है। कभी भाजपा में संगठन सर्वोपरि माना जाता था। कार्यकर्ता वर्षों तक बिना किसी पद की अपेक्षा के पार्टी के लिए काम करता था। लेकिन अब परिस्थितियाँ बदलती नजर आ रही हैं। सत्ता के केंद्र में बैठे कुछ नेता और पदाधिकारी शायद जमीन की वास्तविकता से दूर होते जा रहे हैं।

राजनीति में मतभेद होना स्वाभाविक है, लेकिन जब संगठन और राजनीतिक नेतृत्व आमने-सामने दिखाई देने लगें तो यह केवल एक घटना नहीं रहती, बल्कि यह चेतावनी बन जाती है। भाजपा की सबसे बड़ी ताकत उसका अनुशासन और संगठनात्मक समर्पण रहा है। यदि वही कमजोर होने लगे तो चिंता होना स्वाभाविक है। आज कई पुराने कार्यकर्ता यह कहते दिखाई देते हैं कि पहले भाजपा में विचारधारा के लिए संघर्ष होता था, आज व्यक्तिवाद और गुटबाजी अधिक दिखाई देती है। पहले कार्यकर्ता नेतृत्व तैयार करता था, अब कई जगह नेतृत्व अपने आसपास केवल समर्थकों की भीड़ तैयार करने में लगा है। यही कारण है कि जमीनी कार्यकर्ताओं की पीड़ा अब सार्वजनिक रूप से सामने आने लगी है। इंदौर

की घटना ने यह भी साबित किया है कि सत्ता में लंबे समय तक बने रहने के बाद किसी भी राजनीतिक दल के भीतर आत्ममंथन आवश्यक हो जाता है। यदि समय रहते संवाद नहीं हुआ, यदि कार्यकर्ताओं की भावनाओं को नहीं समझा गया, तो संगठनात्मक असंतोष भविष्य में और बड़ा रूप ले सकता है।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि भाजपा हमेशा कांग्रेस की राजनीति पर परिवारवाद, गुटबाजी और सत्ता केंद्रित कार्यशैली के आरोप लगाती रही है। लेकिन आज जब भाजपा के भीतर भी वैसी ही तस्वीरें दिखाई देने लगें, तो आम जनता सवाल पूछने लगती है कि आखिर दोनों में अंतर क्या रह गया है? यह समय आरोप-प्रत्यारोप का नहीं, बल्कि गंभीर आत्मविश्लेषण का है। गादी पर बैठे राजनेताओं को यह समझना होगा कि राजनीति केवल चुनाव जीतने का माध्यम नहीं है। राजनीति विश्वास, संवाद और कार्यकर्ताओं के सम्मान से चलती है। यदि कार्यकर्ता ही उपेक्षित महसूस करने लगे, तो सबसे मजबूत संगठन भी कमजोर पड़ सकता है।

इंदौर की घटना एक संकेत है-संकेत इस बात का कि जमीन पर कुछ बदल रहा है। जरूरत इस बात की है कि नेतृत्व समय रहते इन संकेतों को समझे और संगठन तथा कार्यकर्ताओं के बीच बढ़ती दूरी को कम करे। क्योंकि किसी भी राजनीतिक दल की असली ताकत बड़े मंच, बड़े पोस्टर या बड़े भाषण नहीं होते-उसकी असली ताकत वह कार्यकर्ता होता है जो बिना किसी स्वार्थ के पार्टी का झंडा उठाकर सड़क पर खड़ा रहता है। और यदि वही कार्यकर्ता आज आहत है, तो यह किसी भी राजनीतिक दल के लिए सबसे गंभीर विषय होना चाहिए।

घर पर सहज योग ध्यान कैसे करें (स्टेप, बाय स्टेप)

यदि किसी कारणवश सेंटर जाने की असमर्थता हो तो हम घर बैठे भी आत्मसाक्षात्कार प्राप्त कर सकते हैं। इससे भी हमें सहज योग माध्यम से प्राप्त होने वाले चैतन्य की अनुभूति हो सकती है व नियमित ध्यान से गहनता भी प्राप्त हो सकती है। तो चलिये स्टेप बाय स्टेप ध्यान की प्रक्रिया को समझते हैं। सबसे पहले घर का एक शांत कमरा चुनें और जमीन पर या कुर्सी पर आराम से बैठें। हमें अपनी परमपूज्य माताजी श्री निर्मला देवी की एक फोटो को सामने रखना है। यदि फोटो नहीं है तो मोबाइल पर भी एक बार माँ को ध्यान से देखकर आंखें बंद कर लें। अपने हृदय में आदि शक्ति (श्री माताजी) का आह्वान करें, उनसे प्रार्थना करें कि,"हे परमपूज्य श्री माताजी कृपया मेरे हृदय मे आइये। माँ, मैं आत्मसाक्षात्कार पाना चाहता/चाहती हूँ। माँ मुझपर कृपा करें और मुझे मेरा आत्मसाक्षात्कार प्रदान कीजिये।"

अपना ध्यान अपने सिर के सबसे ऊपरी भाग (तालु) पर केंद्रित करें, जिसे योग की भाषा में सहस्त्रार कहते हैं। यदि विचार ज्यादा आयें तो श्वास प्रक्रिया पर ध्यान देना है, कुछ पल श्वास को रोक लेना है, विचार भी थम जायेंगे। ध्यान के स्टेप्स को पहले अच्छी तरह समझ लेना है फिर ध्यान शुरु करना है। ध्यान के दौरान दोनों हथेलियों की स्थिति पर ध्यान रखना है। हथेलियों व सिर के तालु भाग में दिव्य चैतन्य की अनुभूति होती है।

ध्यान के स्टेप्स इस प्रकार हैं:-

1) बायाँ हाथ गोद में खुला रखेंगे। अपना दाहिना हाथ अपने हृदय पर रखकर हम प्रार्थना करेंगे, "हे परमपूज्य श्री माताजी आपकी असीम कृपा में मैं एक पवित्र आत्मा हूँ।" (इसे सात बार दोहरायें)। हाथ ऐसे ही रखते हुए कुछ पल हृदय में ध्यान करेंगे।

2) दाहिने हाथ को धरती पर रखेंगे प्रार्थना करेंगे, "हे परमपूज्य श्री माताजी मेरे बांयी ओर की समस्त बाधाओं को धरा तत्व में खींच लें। मेरे बांयी नाडी को संतुलन प्रदान करें। हाथ ऐसे ही रखते हुए कुछ पल ध्यान करेंगे।

3) बांये हाथ को कोहनी से मोड़कर आकाश की ओर करेंगे। दाहिना हाथ खुला हुआ गोद में। प्रार्थना करेंगे," हे परमपूज्य श्री माताजी कृपा कर मेरी दाहिनी ओर की समस्त बाधाओं को आकाश तत्व में खीच लें। मेरी दाहिनी ओर की नाड़ी को स्वच्छ कर दें।" कुछ पल इसी स्थिति में ध्यान करेंगे।

4) दाहिना हाथ अपने माथे पर रखते हुए

अपने सिर को श्रृद्धापूर्वक सामने की ओर झुकायेंगे। प्रार्थना करेंगे, "हे परमपूज्य श्री माताजी मैंने सभी को क्षमा कर दिया है, मैंने स्वयं को भी क्षमा कर दिया है।" इसी अवस्था में कुछ देर ध्यान करेंगे।

5) अपने दाहिने हाथ को अपने सिर के उपर तालु भाग पर रखेंगे। प्रार्थना करेंगे, "हे परमपूज्य श्री माताजी हमें हमारा आत्मसाक्षात्कार प्रदान करे।" हथेली को अपने तालु भाग पर गोल गोल घुमाते हुये इस प्रार्थना को सात बार दोहरायेंगे। हाथ को एक दो बार तालु भाग में उपर नीचे करते हुये चैतन्य की अनुभूति लेने का प्रयास करेंगे। धीरे से अपनी दोनों हथेलियों को आकाश की ओर करके अपनी गोद में रखेंगे। अपनी हथेलियों या सिर के ऊपर एक ठंडी हवा (डिवाइन वाइब्रेशन) का अनुभव करने का प्रयास करेंगे। किसी भी बात का विचार न करेंगे (निर्विचारिता)। बस शांत रहेंगे और इस दिव्य प्रेम (परम ऊर्जा) को महसूस करेंगे। सहजयोग का अनुभव सामूहिक ध्यान में सबसे अच्छा होता है। अतः विस्तार से सहज योग को जानने हेतू और आत्मसाक्षात्कार को प्राप्त करने हेतु अपने नज़दीकी सहजयोग ध्यान केंद्र की जानकारी टोल फ्री नंबर 1800 2700 800 से प्राप्त कर सकते हैं। सहज योग सदैव निःशुल्क है।

आईजी अरविंद सक्सेना ने डॉ. आयुष जाखड़ को अशोक चिन्ह लगाकर दी पदोन्नति

हेमंत भार्गव

करेरा। करेरा में नवीन एसडीओपी कार्यालय भवन के लोकार्पण समारोह के दौरान एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें वर्ष 2022 बैच के आईपीएस अधिकारी डॉ. आयुष जाखड़ एसडीओपी करेरा को अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के पद आर पदोन्नति प्रदान की गई। पुलिस महानिरीक्षक अरविंद सक्सेना एवं पुलिस अधीक्षक श्रीमती यांगचेन डोलकर भूटिया ने डॉ. जाखड़ के कंधों पर अशोक चिन्ह लगाकर उन्हें अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (एडिशनल एसपी) पद पर पदोन्नति प्रदान की। इस

अवसर पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिवपुरी संजीव मूले, एसडीएम अनुराग निंगवाल सहित जिले के समस्त अनुविभागीय अधिकारी पुलिस एवं नगर निरीक्षक विनोद सिंह छावई उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने डॉ. आयुष जाखड़ को पदोन्नति पर शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उल्लेखनीय है कि डॉक्टर आयुष जाखड़ को एडिशनल एसपी जबलपुर के पद पर नवीन पद स्थापना हुई है। लोकार्पण समारोह एवं पदोन्नति कार्यक्रम गरिमामय वातावरण में सम्पन्न हुआ, जिसमें पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों की विशेष उपस्थिति रही।

मौत बनकर दौड़ा डंपर, सड़क किनारे खड़े तीन राहगीरों को कुचला, तीन की मौके पर मौत, एक गंभीर घायल

करैरा। करैरा थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम हाजीनगर से गधाई के बीच कुंठली के पास शुक्रवार रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को प्राथमिक उपचार के बाद झांसी रेफर किया गया, जहां उसका उपचार जारी है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार घटना शुक्रवार रात करीब 9 बजे की है। बताया जा रहा है कि सड़क किनारे खड़े कुछ राहगीरों को एक तेज रफ्तार डंपर ने सीधे टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि तीन लोगों ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया, जबकि एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद डंपर चालक वाहन लेकर भितरवार रोड की ओर भाग निकला, लेकिन ग्रामीणों ने तत्परता दिखाते हुए उसका पीछा किया और कुछ दूरी पर एक गांव के पास चालक को पकड़ लिया। इसके बाद मामले की सूचना पुलिस को दी गई।

प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि जिस डंपर ने राहगीरों को टक्कर मारी, वह करैरा की ओर से आ रहा था और कल्याणपुर रेत खदान की ओर जा रहा था। बताया जा रहा है कि डंपर खाली था और रेत भरने के लिए खदान पहुंच रहा था।

स्व. जगन्नाथ जी पाण की धर्म पत्नि एवं मदनलाल , मोहनलाल , दिनेश की माता जी एवं महेश, निलेश, राधेश्याम, पारस, जिवन की पूज्य दादीजी कमलाबाई पाण का स्वर्गवास दिनांक - 06/06/2026 हो गया। हम ईश्वर से प्रार्थना करते हैं कि दिवंगत आत्मा को अपने श्री चरणों में स्थान दें।

राज्यसभा चुनाव हेतु भाजपा प्रत्याशी श्री Tarun Chugh जी एवं श्री Rajneesh Agrawal जी ने मध्य प्रदेश विधानसभा पहुँचकर अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। आप दोनों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ।

चंदन नगर पुलिस ने वाहन चोर गिरोह का किया पर्दाफाश, दो आरोपी गिरफ्तार

खुशबू श्रीवास्तव

इंदौर। चंदन नगर पुलिस ने वाहन चोरी की घटनाओं पर प्रभावी कार्रवाई करते हुए दो शातिर वाहन चोरों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चार चोरी के दोपहिया वाहन बरामद किए हैं। आरोपियों द्वारा थाना चंदन नगर क्षेत्र से तीन तथा थाना एरोड्रम क्षेत्र से एक वाहन चोरी करना स्वीकार किया गया है। पुलिस आयुक्त संतोष सिंह के निर्देश एवं पुलिस उपायुक्त जोन-4 सुनील मेहता के मार्गदर्शन में शहर में वाहन चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में थाना चंदन नगर पुलिस को यह महत्वपूर्ण सफलता मिली।

पुलिस को लगातार दोपहिया वाहन चोरी की शिकायतें प्राप्त हो रही थीं। जांच के दौरान जानकारी मिली कि वाहन चोर चोरी के वाहनों को धार रोड के रास्ते धार, झाबुआ, अलीराजपुर और गुजरात क्षेत्र में बेचने का प्रयास करते हैं। इसके बाद पुलिस ने धार रोड स्थित नवादा पंथ क्षेत्र में रात्रिकालीन आउटर वाहन चेकिंग अभियान चलाया। दिनांक 6-7 जून की रात चेकिंग के दौरान दो संदिग्ध युवक पुलिस को देखकर भागने लगे, जिन्हें घेराबंदी कर पकड़ लिया गया। पूछताछ में दोनों आरोपियों ने सूने स्थानों और पार्किंग क्षेत्रों में खड़े दोपहिया वाहनों के लॉक तोड़कर तथा डायरेक्ट वायर कनेक्शन के माध्यम से वाहन चोरी करना स्वीकार किया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान विकास गुर्जर (21) निवासी हरदा एवं वर्तमान निवासी नंदबाग इंदौर तथा सौरभ राजपूत (23) निवासी खंडवा एवं वर्तमान निवासी नंदबाग इंदौर के रूप में हुई है। आरोपियों की निशानदेही पर होंडा शाइन एसपी, हीरो स्प्लेंडर, रॉयल एनफील्ड बुलेट तथा एक एक्टिवा स्कूटर सहित कुल चार वाहन बरामद किए गए हैं। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे चोरी के वाहन अलीराजपुर और गुजरात क्षेत्र में बेचकर अपने शौक पूरे करते थे। पुलिस द्वारा आरोपियों के आपराधिक रिकॉर्ड, सीसीटीवी फुटेज एवं अन्य तकनीकी साक्ष्यों की जांच की जा रही है। पुलिस को अन्य वाहन चोरी की वारदातों के खुलासे तथा और वाहनों की बरामदगी की भी संभावना है। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी तिलक कारोले, उप निरीक्षक सौरभ कुशवाह, एएसआई रविराज सिंह बैस सहित चंदन नगर थाना पुलिस की टीम की सराहनीय भूमिका रही

झाबुआ पुलिस की त्वरित कार्यवाही, अंधे कत्ल का महज़ कुछ ही घंटों में पर्दाफाश; आरोपी पति गिरफ्तार

सलीम हुसैन

झाबुआ। थाना झाबुआ के अंतर्गत ग्राम नवापाड़ा में एक सनसनीखेज हत्या का मामला सामने आया है। मृतिका अंतरबाई (उम्र 40 वर्ष), जिनका विवाह करीब 15 वर्ष पूर्व हुआ था, का शव उनके घर के आंगन में खाट पर मिला। मृतिका के शरीर, सिर, मुंह, पैर और गले पर गंभीर चोटों के निशान पाए गए, जिससे स्पष्ट था कि उनकी बेरहमी से हत्या की गई है। प्रारंभिक जांच और घटनाक्रम के अनुसार, मृतिका का पति उस पर हमेशा चरित्र शंका करता था, जिसके कारण उनके बीच अक्सर लड़ाई-झगड़ा और मारपीट होती रहती थी। घटना की पूर्व रात्रि को भी दोनों के बीच भारी विवाद हुआ था। इसी शंका के चलते आरोपी पति ने अपनी पत्नी की हत्या कर दी और मौके से फरार हो गया। घटना की सूचना प्राप्त होते ही प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक देवेंद्र पाटीदार से तत्काल मार्गदर्शन प्राप्त कर एसडीओपी झाबुआ कमलेश शर्मा, थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक आर.सी. भास्करे एवं पुलिस टीम तत्काल बल सहित मौके पर पहुँचे। पुलिस टीम द्वारा बारीकी से घटनास्थल का निरीक्षण किया गया और साक्ष्य एकत्रित किए गए। थाना कोतवाली में आरोपी के विरुद्ध अपराध क्रमांक 547/2026 भारतीय न्याय संहिता (BNS), 2023 की धारा 103(1) (हत्या) के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना में लिया गया।

पुलिस टीम ने तत्परता दिखाते हुए फरार आरोपी की तलाश में अलग-अलग स्थानों पर दबिश दी। पुलिस की सटीक रणनीति के परिणामस्वरूप, महज़ चंद घंटों में ही आरोपी पति राजू रावत को घेराबंदी कर गिरफ्तार कर लिया गया।

गैस सिलेंडर से गैस रिसाव की सूचना पर पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए टाला बड़ा हादसा

सलीम हुसैन

झाबुआ। 07 जून को ग्राम चंपानेर, थाना थांदला चौकी खवासा क्षेत्र से डायल-100/112 पर गैस सिलेंडर से अत्यधिक गैस रिसाव होने संबंधी सूचना प्राप्त हुई। उक्त सूचना इवेंट क्रमांक POL07062602593 के माध्यम से एफआरवी-08 थाना पेटलावद को प्राप्त हुई। सूचना मिलने पर एफआरवी स्टाफ तत्काल मौके पर पहुंचा।

फरियादी नरसिंह पिता कालू मुनिया से मोबाइल पर चर्चा करने पर उन्होंने बताया कि उनके घर में रखे गैस सिलेंडर से अत्यधिक गैस का रिसाव हो रहा है, जिससे आसपास के लोग भयवश अपने घरों से बाहर निकल गए हैं। मौके पर पहुंचकर पुलिस टीम ने स्थिति का जायजा लिया। घर के अंदर रखे गैस सिलेंडर से लगातार गैस निकल रही थी, जिससे दुर्घटना की आशंका बनी हुई थी। एफआरवी के आरक्षक क्रमांक 215 रवि एवं पायलट रजनीश सिंगाड़ ने साहस एवं सूझबूझ का परिचय देते हुए गैस सिलेंडर को सुरक्षित रूप से घर से लगभग 200 फीट दूर खुले स्थान पर पहुंचाया तथा आवश्यक सावधानियां बरतकर स्थिति को नियंत्रित किया।पुलिस की तत्परता एवं सतर्कता से संभावित बड़ी दुर्घटना को टाल दिया गया। स्थानीय नागरिकों ने पुलिस टीम के त्वरित एवं सराहनीय कार्य की प्रशंसा की।

समान नागरिक संहिता पर जनपरामर्श बैठक आयोजित, विभिन्न वर्गों से प्राप्त हुए सुझाव

यूसीसी पर जनपरामर्श बैठक में मिले महत्वपूर्ण सुझाव सभी वर्गों की सहभागिता से तैयार होगा प्रारूप

सलीम हुसैन

झाबुआ। मध्यप्रदेश में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) के संबंध में अध्ययन एवं परीक्षण हेतु गठित उच्च स्तरीय समिति द्वारा जनसुझाव प्राप्त करने के उद्देश्य से रविवार को पूर्वान्ह 11:00 बजे कृषक सभागृह, कृषि विज्ञान केन्द्र, राजगढ़ नाका, झाबुआ में जनपरामर्श बैठक आयोजित की गई। बैठक में उच्च स्तरीय समिति की सदस्य एवं शिक्षाविद् डॉ. शोभा पैठणकर उपस्थित रहीं तथा विभिन्न वर्गों के प्रतिनिधियों से सुझाव एवं विचार प्राप्त किए गए। बैठक को संबोधित करते हुए डॉ. शोभा पैठणकर ने कहा कि समान नागरिक संहिता का प्रावधान भारतीय संविधान के नीति निदेशक तत्वों के अनुच्छेद-44 में किया गया है। उन्होंने बताया कि मौलिक अधिकार और नीति निदेशक तत्वों की प्रकृति भिन्न होने के बावजूद दोनों का उद्देश्य नागरिकों के कल्याण, समानता एवं न्यायपूर्ण व्यवस्था को सुनिश्चित करना है।

उन्होंने कहा कि संविधान निर्माण के दौरान इस विषय पर व्यापक चर्चा हुई थी तथा संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर ने भी समान नागरिक संहिता लागू करने की आवश्यकता पर बल दिया था। समय के साथ समाज में परिवर्तन होते हैं और आवश्यकतानुसार कानूनों में भी संशोधन किए जाते हैं। परिवर्तन जीवन का स्वाभाविक अंग है। डॉ. पैठणकर ने कहा कि वर्तमान में विवाह, विवाह विच्छेद, भरण-पोषण, उत्तराधिकार एवं दत्तक ग्रहण जैसे विषय विभिन्न व्यक्तिगत कानूनों के अंतर्गत आते हैं। समान नागरिक संहिता का उद्देश्य इन विषयों पर सभी नागरिकों के लिए समान कानूनी व्यवस्था स्थापित करना है, जिससे महिला एवं पुरुष दोनों को समान अधिकार एवं अवसर प्राप्त हो सकें। डॉ. पैठणकर ने कहा कि राज्य शासन जनसंवाद एवं जनपरामर्श के माध्यम से नागरिकों के सुझाव प्राप्त कर रहा है। जो नागरिक बैठक में उपस्थित नहीं हो सके हैं, वे ucc.mp.gov.in वेबसाइट के माध्यम से भी अपने सुझाव प्रस्तुत कर सकते हैं। उन्होंने सभी वर्गों से रचनात्मक सुझाव देने का आग्रह किया।

उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रस्तावित समान नागरिक संहिता में अनुसूचित जनजातियों को शामिल नहीं किए जाने का प्रावधान विचाराधीन है। प्राप्त सुझावों के आधार पर यूसीसी का प्रारूप तैयार किया जाएगा, जिसे विधि विभाग की सहमति के उपरांत विधानसभा में प्रस्तुत किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सभी नागरिकों की राष्ट्र के प्रति निष्ठा समान है और समाज के विभिन्न वर्गों के विचारों को ध्यान में रखते हुए आगे की प्रक्रिया संचालित की जाएगी। कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट ने कहा कि मध्यप्रदेश शासन द्वारा समान नागरिक संहिता के संबंध में आमजन के सुझाव प्राप्त करने के लिए व्यापक स्तर पर जनपरामर्श की प्रक्रिया संचालित की जा रही है। शासन की मंशा है कि विभिन्न वर्गों, समुदायों एवं क्षेत्रों के नागरिकों की राय प्राप्त कर उसे नीति निर्माण की प्रक्रिया में शामिल किया जाए, जिससे अधिक प्रभावी एवं जनहितकारी निर्णय लिए जा सकें। कलेक्टर ने जिले के नागरिकों से अपील की कि वे इस महत्वपूर्ण विषय पर आयोजित जनपरामर्श प्रक्रिया में सक्रिय सहभागिता करें तथा अपने सुझाव एवं विचार प्रस्तुत करें। उन्होंने कहा कि जो नागरिक बैठक में उपस्थित नहीं हो सके हैं, उनके लिए शासन द्वारा ucc.mp.gov.in वेबसाइट भी उपलब्ध कराई गई है, जिसके माध्यम से वे अपने सुझाव ऑनलाइन दर्ज कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि जनभागीदारी लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था की आधारशिला है और नागरिकों के सुझाव नीति निर्माण को अधिक समावेशी एवं प्रभावी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

पुलिस अधीक्षक देवेन्द्र पाटीदार ने कहा कि समाज में व्यवस्था, न्याय एवं कानून के प्रभावी संचालन के लिए शासन द्वारा विभिन्न विधिक प्रावधान बनाए गए हैं। आपराधिक कानून का उद्देश्य समाज में शांति, सुरक्षा एवं कानून का राज स्थापित करना है, वहीं नागरिक जीवन से जुड़े विषयों के लिए सिविल कानून महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि विवाह, विवाह विच्छेद, उत्तराधिकार, भरण-पोषण एवं अन्य नागरिक विषयों से संबंधित विभिन्न प्रावधानों में मौजूद असमानताओं को दूर करने तथा सभी नागरिकों के लिए समानता आधारित व्यवस्था विकसित करने के उद्देश्य से समान नागरिक संहिता पर विचार किया जा रहा है। यूसीसी के माध्यम से उन विषयों को शामिल करने का प्रयास किया जा रहा है, जिनमें समयानुकूल सुधार एवं एकरूपता की आवश्यकता महसूस की गई है। उन्होंने कहा कि विभिन्न सामाजिक एवं कानूनी मुद्दों के समाधान के विकल्प के रूप में यूसीसी एक महत्वपूर्ण व्यवस्था सिद्ध हो सकती है। इसलिए नागरिकों को इस विषय का गंभीरता से अध्ययन कर अपने सुझाव प्रस्तुत करने चाहिए।

जनसंवाद के माध्यम से प्राप्त हुए विविध सुझाव एवं विचार- बैठक में विभिन्न जनप्रतिनिधियों, राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों के सदस्यों, अधिवक्ताओं एवं पत्रकार बंधुओं द्वारा समान नागरिक संहिता के संबंध में अपने-अपने विचार एवं सुझाव प्रस्तुत किए गए।

प्रतिभागियों ने सामाजिक सरोकारों एवं स्थानीय परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए अनेक महत्वपूर्ण सुझाव दिए। सुझावों में विवाह एवं विवाह विच्छेद के लिए सभी नागरिकों हेतु एक समान कानून बनाए जाने, विवाह के लिए महिला एवं पुरुष की आयु समान निर्धारित किए जाने तथा महिलाओं के उत्तराधिकार संबंधी नियमों में समानता सुनिश्चित किए जाने पर बल दिया गया। बैठक में जनजातीय समाज की विशिष्ट संस्कृति, परंपराओं एवं रीति-रिवाजों की भिन्नता को दृष्टिगत रखते हुए उन्हें यूसीसी के दायरे से पृथक रखने तथा जनजातीय वर्ग के लिए पृथक विधिक प्रावधान अथवा अलग कोड तैयार किए जाने संबंधी सुझाव भी प्राप्त हुए। साथ ही यह भी सुझाव दिया गया कि विकास की मुख्यधारा में जनजातीय वर्ग की भागीदारी एवं हित किसी भी स्थिति में प्रभावित न हों। प्रतिभागियों द्वारा लिव-इन रिलेशनशिप से जन्मे बच्चों एवं सिंगल मदर के बच्चों के उत्तराधिकार संबंधी अधिकारों को स्पष्ट एवं न्यायसंगत रूप से परिभाषित किए जाने की आवश्यकता व्यक्त की गई। इसके अतिरिक्त नागरिकों को कानूनों की स्पष्ट जानकारी एवं समझ उपलब्ध कराने के लिए सहायता केंद्र स्थापित किए जाने तथा व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाए जाने का सुझाव भी दिया गया।

बैठक में यह भी सुझाव सामने आया कि यूसीसी का प्रारूप पूर्ण पारदर्शिता के साथ तैयार किया जाए तथा विषय के विभिन्न पहलुओं पर गहन विचार-विमर्श के लिए स्थानीय स्तर पर समितियों का गठन किया जाए। प्रतिभागियों ने यह भी सुझाव दिया कि जिन राज्यों में समान नागरिक संहिता लागू की जा चुकी है, वहां इसके सामाजिक एवं प्रशासनिक प्रभावों का विस्तृत अध्ययन कर उसके अनुभवों को नीति निर्माण की प्रक्रिया में शामिल किया जाए। इस दौरान सहायक कलेक्टर आयुषी बंसल, अपर कलेक्टर सी एस सोलंकी, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व झाबुआ महेश मण्डलोई एवं अन्य अधिकारी कर्मचारी तथा नागरिक उपस्थित रहे।

09 जून को मेघनगर में आयोजित होगी विकासखण्ड स्तरीय जनसुनवाई

सलीम हुसैन

झाबुआ। कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट के निर्देशानुसार जिले में आमजन की समस्याओं के त्वरित निराकरण एवं शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाने के उद्देश्य से 09 जून 2026 को प्रातः 11 बजे से सांदीपनि स्कूल मेघनगर में विकासखण्ड स्तरीय जनसुनवाई आयोजित की जाएगी।

जनसुनवाई में विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहेंगे तथा नागरिकों द्वारा प्रस्तुत शिकायतों, समस्याओं एवं मांगों से संबंधित आवेदनों पर नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी। साथ ही विभिन्न विभागों द्वारा शासन की जनहितैषी एवं कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी प्रदान कर पात्र हितग्राहियों को लाभान्वित करने संबंधी गतिविधियां भी आयोजित की जाएंगी। जिला प्रशासन ने विकासखण्ड मेघनगर के नागरिकों से अपील की है कि वे जनसुनवाई में उपस्थित होकर अपनी समस्याओं एवं आवश्यकताओं से संबंधित आवेदन प्रस्तुत करें तथा शासन द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी प्राप्त कर उनका लाभ लें।

पहली ही बारिश ने खोली विकास के दावों की पोल

खकनार के चिड़ियामाल में भ्रष्टाचार की भेंट चढ़े बिजली के खंभे और ट्रांसफार्मर

गरीब आदिवासीयो से वसूला गाड़ी का भाड़ा ओर मजदूरों की मजदूरी

महेन्द्र मालवीय

बुरहानपुरः- शासन-प्रशासन एक तरफ जहां सुदूर और पहाड़ी क्षेत्रों में रोशनी पहुंचाने के लिए लाखों-करोड़ों रुपए पानी की तरह बहा रहा है, वहीं दूसरी तरफ धरातल पर बैठे कुछ ठेकेदारों की लापरवाही और कथित मनमानी के चलते सरकार की इन जनहितैषी योजनाओं को पलीता लगाया जा रहा है। ऐसा ही एक झकझोर देने वाला मामला बुरहानपुर जिले की खकनार तहसील के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत चिड़ियामॉल के '12 नंबर गेट' के पास स्थित पहाड़ी क्षेत्र से सामने आया है। यहां लगभग एक महीना पहले लगाए गए बिजली के पोल और ट्रांसफार्मर पहली ही बारिश का लोड भी नहीं सह पाए और भरभरा कर जमींदोज हो गए।

मात्र 1 से 2 फीट गहरे गड्ढे, गुणवत्ता पर खड़े हुए गंभीर सवाल

विभागीय नियमों और तकनीकी मापदंडों के अनुसार, लगभग 25 से 30 फीट लंबे और करीब 2 क्विंटल वजनी बिजली के भारी-भरकम पोल को मजबूती से खड़ा करने के लिए मानक कम से कम 4 से 5 फीट गहरा गड्ढा खोदा जाना अनिवार्य है। लेकिन ग्राम चिड़ियामॉल के इस पहाड़ी इलाके में ठेकेदार के लोगों द्वारा कथित रूप से महज 1 से 2 फीट गहरा गड्ढा खोदकर पोल खड़े कर दिए गए। नतीजा यह हुआ कि जून माह की पहली मानसूनी बारिश और हवा के झोंके को भी ये पोल बर्दाश्त नहीं कर सके। कई पोल उखड़ गए तो कुछ बीच में से ही टूट गए, जो काम की घटिया गुणवत्ता को साफ बयां कर रहे हैं। गनीमत रही कि उस वक्त वहां कोई मौजूद नहीं था, वरना कोई बड़ा हादसा

भी हो सकता था।

"हमसे भाड़ा लिया, मजदूरी भी कराई और मुर्गे भी ले गए"-ग्रामीणों का फूटा दर्द

इस पूरे मामले में सबसे हैरान करने वाला पहलू आर्थिक और व्यावहारिक शोषण का है। जब इस संबंध में स्थानीय ग्रामीण आदिवासियों से बात की गई, तो उनका दर्द छलक उठा।

राम जायसवाल ग्रामीण : "साहब, हमसे कहा गया कि तुम्हें 24 घंटे बिजली मिलेगी। इसके बदले में सभी क्षेत्र वासियों गरीब आदिवासीयो सेबिजली के पोल और ट्रांसफार्मर लाने-ले जाने का भाड़ा वसूला गया। इतना ही नहीं सहयोग के नाम से , हमसे भी काम करवाया पोल खड़े करवाए, लेकिन हमें हमारी मजदूरी का एक रुपया नहीं दिया गया। उल्टा काम अच्छा करने और जल्दी बिजली चालू करने के नाम पर हमसे 8 से 10 मुर्गे लेकर पार्टी भी की गई

सुरेश ग्रामीण : "हम लोग आज भी अंधेरे में, दीपक और चिमनी की रोशनी में रहने को मजबूर हैं। सरकार जब पूरा पैसा दे रही है, पहले हम सभी से 500 - 500 रुपए लिए जिसके बाद हमसे मीटर लगाने के नाम पर भी 200-200 रुपए सभी से नगद क्यों लिए गए? ओर काम मजदूरों को मजदूरी भी हम सभी से की गई हमारे साथ धोखा हुआ है, पहली ही बारिश में सब गिर गया।"अब बारिश की फसल लगाने के लिए हमारा काम बहुत लेट हो रहा है जमीन तैयार नहीं कर पा रहे है l अब शासन ओर प्रशासन से ग्रामीण जल्दी इस दिक्कत से निजात दिलवाने की मांग कर रहे हैं l

बड़ा सवालः जब सरकार दे रही है बजट, तो आदिवासियों से वसूली क्यों ?

नियमों के मुताबिक, बिजली घर-घर पहुंचाने, पोल परिवहन करने और मजदूरों को भुगतान करने की पूरी राशि सरकार अपने कोटे से ठेकेदार को जारी करती है। ऐसे में इन गरीब और सीधे-साधे आदिवासियों से भाड़े, मजदूरी और मीटर के नाम पर की गई वसूली कई गंभीर सवाल खड़े करती है। अब देखना यह होगा कि इस मामले की जानकारी सामने आने के बाद विद्युत विभाग के उच्च अधिकारी और जिला प्रशासन इन ठेकेदारों के खिलाफ क्या रुख अपनाता है? क्या ऐसे ठेकेदारों का लाइसेंस निरस्त कर इन गरीब आदिवासियों को न्याय दिलाया जाएगा, या फिर इस भ्रष्टाचार पर पर्दा डाल दिया जाएगा? यह क्षेत्र के जागरूक नागरिकों और ग्रामीणों के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है।

क्या कहा विभागीय अधिकरी खकनार के राम पालवी ने

यह कार्य धरती आभा योजना अंतर्गत किया है ठेकेदार ने टूटा हुआ बताया गया है जबकि गड्ढे कम गड़े होने के कारण पोल उखड़ गए हैं जिसका काम सही नहीं हुआ है मैं खुद भी देखकर आया हूं जिसका भुगतान भी नहीं हुआ ओर सर्वे भी किया हुआ है उससे पहले ही सारे पोल गिर गए हैं और काम भी पूरा घटिया किया है अब उच्चाधिकारी से बात करता हूं फिर देखते हैं क्या कार्यवाही करना चाहिए l

नगर एवं ग्रामीण अंचलों में अभिभावकों की लापरवाही पड़ रही भारी

नाबालिग दौड़ा रहे तेज रफ्तार बाइक बढ़ रहा हादसों का खतरा

दिलीप पाटीदार

सरदारपुर-नगर से लगा के ग्रामीण अंचलों में नाबालिग बच्चों द्वारा तेज रफ्तार से दोपहिया वाहन चलाने की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं, जो सड़क सुरक्षा के लिए गंभीर चिंता का विषय बनती जा रही हैं। कम उम्र में वाहन चलाने वाले बच्चे न केवल अपनी जान जोखिम में डाल रहे हैं, बल्कि राहगीरों और अन्य वाहन चालकों की सुरक्षा के लिए भी खतरा पैदा कर रहे हैं। इसके बावजूद कई अभिभावक अपने बच्चों को बिना वैध ड्राइविंग लाइसेंस के बाइक सौंप रहे हैं, जिससे दुर्घटनाओं की आशंका बढ़ती जा रही है। राजगढ़ सरदारपुर के क्षेत्रों में भी अक्सर देखा जाता है कि स्कूली छात्र और किशोर

बिना हेलमेट के तेज गति से बाइक चलाते हैं। कई बार वे यातायात नियमों की अनदेखी करते हुए स्टंटबाजी और लापरवाही से वाहन चलाते हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि कम उम्र और अनुभव की कमी के कारण नाबालिग वाहन चालक आपात स्थिति में सही निर्णय नहीं ले पाते, जिससे दुर्घटनाएं होने की संभावना अधिक रहती है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि नाबालिग बच्चों को वाहन उपलब्ध कराने में अभिभावकों की भी महत्वपूर्ण भूमिका होती है। यदि माता-पिता स्वयं अपने बच्चों को बाइक चलाने की अनुमति देते हैं, तो उन्हें भी अपनी जिम्मेदारी समझनी चाहिए। लोगों का मानना है कि नाबालिगों द्वारा वाहन चलाने के मामलों में केवल बच्चों को समझाइश देना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनके अभिभावकों के खिलाफ भी नियमानुसार कार्रवाई की जानी चाहिए।

यातायात नियमों के अनुसार नाबालिग द्वारा वाहन चलाना कानून का उल्लंघन है। ऐसे मामलों में वाहन मालिक और अभिभावक भी जिम्मेदार माने जा सकते हैं। इसलिए ग्रामीण क्षेत्रों में विशेष अभियान चलाकर नाबालिग वाहन चालकों पर रोक लगाने तथा अभिभावकों को जागरूक करने की आवश्यकता महसूस की जा रही है।

क्षेत्र के जागरूक नागरिकों ने प्रशासन से मांग की है कि नाबालिगों को वाहन चलाने की अनुमति देने वाले अभिभावकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि इस प्रवृत्ति पर अंकुश लगाया जा सके। उनका कहना है कि जब तक अभिभावक अपनी जिम्मेदारी नहीं समझेंगे, तब तक सड़क दुर्घटनाओं को रोकना मुश्किल होगा। सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता, अभिभावकों की जिम्मेदारी और कानून का कड़ाई से पालन ही इस समस्या का प्रभावी समाधान हो सकता है। इससे न केवल दुर्घटनाओं में कमी आएगी, बल्कि युवाओं में सुरक्षित और जिम्मेदार यातायात व्यवहार भी विकसित होगा।

ग्राम पंचायतो में कार्यालय व्यय के नाम से किए जा रहे हैं लाखों रुपए का आहरण

कार्यालय व्यय के नाम से सरपंच/सचिव कर रहे हैं शासकीय राशि का आहरण विकास कार्यों की राशि का कर रहे है दुरुपयोग जिससे नहीं हो रहे है विकास कार्य जिम्मेदार मोन

महेन्द्र मालवीय

शासन द्वारा लाखों रुपए विकास कार्यों को लेकर खर्च कर रही है लेकिन जिम्मेदार अपनी मर्जी से जहां चाहे खर्च कर रहे हैं अन्य सामग्री क्रय की गई जो नियम विरुद्ध है कार्यालय व्यय एवं अन्य सामग्री क्रय हेतु शासन द्वारा प्रावधान किए गए हैं जिसको ताक पर रख कर ग्राम पंचायत सरपंच सचिव ने किस अधिकारी की अनुमति पर शासकीय राशि का व्यय किया गया है यह नियम के विरुद्ध है शासन द्वारा प्राप्त राशि का सरपंच सचिव द्वारा दुरुपयोग किया जा रहा है ऐसा ही मामला बुरहानपुर जिले की जनपद पंचायत खकनार के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत रायतलाई में लाखों रुपए कार्यालय व्यय के नाम से निकाले गए हैं जिसकी जांच कर संबंधितों पर कठोर कार्यवाही करना चाहिए यह किसी एक पंचायत का कारनामा नहीं है सचिव एकनाथ पाटिल जिनके पास 2 ग्राम पंचायतों के चार्ज हैं यही कारनामा ग्राम पंचायत रायतलाई के साथ ग्राम पंचायत धार बेल्थड (धावटी) में भी किया है जहां पर अलग अलग वेंडरों के नाम से लाखों रुपए निकाल लिए गए हैं, कार्यालय व्यय के नाम से लाखों रुपए का आहरण कर लिया है सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार वेंडरो को भी राशि निकाल कर देने का अपना कमीशन मिल जाता है इसमें कही ना कही सम्बंधित अधिकारियों की मिली भगत होने का भी अंदेशा है क्योंकि बिना अधिकारी कर्मचारियों की मिली भगत से इतने बड़े घोटाले नहीं किए जा सकते है जबकि कोई भी आम जनता ये बता देगी कि कार्यालय व्यय का मतलब होता क्या है अब देखना यह है कि अधिकारी अपना कौन सा सख्त रुख दिखाते हुए कार्यवाही करते हैं या अन्य मामलों की तरह सिर्फ जांच ही होती रहेगी आखिर क्या है सच कौन देगा जवाब l

इस विषय में जब ग्राम पंचायत सचिव एकनाथ पाटिल से बात की तो बताया गया कि कार्यालय व्यय में वॉटरमैन की सैलरी, दी जाती हैं स्टेशनरी, कंप्यूटर खरीदी या रिपेयरिंग किया जाता हैं कार्यालय छोटे मोटे कार्य रिपेयरिंग जैसे कार्य करना होता साथ ही सीसी रोड़, नाली निर्माण जैसे कार्य भी कार्यालय व्यय में कर सकते है जबकि कार्यालय व्यय में कार्यालय में उपयोगी सामग्री ही खरीद सकते हैं अब सोचने वाली बात यह है कि कार्यालय व्यय का मतलब क्या है, कार्यालय व्यय में कोन कोन से कार्य किए जाते है आखिर शासकीय राशि का उपयोग किया जा रहा है या दुरुपयोग कोन है जिम्मेदार l इस विषय में जब सुनीता बघैल सीईओ जनपद पंचायत खकनार से बात करना चाहा तो उन्होंने फोन उठाना जरूरी नहीं समझा l

माँ

माँ तुम प्यार हो, प्रीत हो,
हर रण में मेरी जीत हो।

माँ तुम सुबह की पहली किरण,
जीवन की सबसे सुंदर शरण।

माँ तुम शाम की शीतल छाँव,
तुमसे महके मेरा गाँव।

माँ तुम मेरी जान हो,
मेरे अस्तित्व की पहचान हो।

माँ तुम प्रकृति का विस्तार हो,
ईश्वर का साकार उपहार हो।

माँ तुम मेरी शान हो,
मेरे जीवन का सम्मान हो।

माँ तुम धरती, गंगा, गीता हो,
हर रिश्ते से बढ़कर सीता हो।

माँ तुम त्याग की मिसाल हो,
हर संतान का अभिमान हो।

माँ तुम तो सचमुच महान हो,
मेरे जीवन का सबसे बड़ा वरदान हो।

– कवि गोपाल गावंडे
संपादक, रणजीत टाइम्स

गार्डन और रहवासी भवनों में संचालित हो रहे स्कूल, सुरक्षा और व्यवस्था पर सवाल

दिव्यानंद अर्गल

मालनपुर :- औद्योगिक क्षेत्र मालनपुर और इससे सटी ग्वालियर सीमा पर कुछ निजी विद्यालय नियमों को ताक पर रखकर गार्डन और रहवासी भवनों में संचालित हो रहे हैं। इससे न केवल बच्चों की सुरक्षा पर सवाल उठ रहे हैं, बल्कि स्थानीय रहवासियों को भी भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि गार्डन और मकानों में चल रहे इन स्कूलों के पास न तो पर्याप्त खेल का मैदान है, न आपातकालीन निकास की व्यवस्था। छोटे-छोटे कमरों में बड़ी संख्या में बच्चों को बिठाकर पढ़ाई कराई जाती है। आग या किसी अन्य दुर्घटना की स्थिति में बच्चों को निकालना लगभग असंभव हो जाएगा।सबसे बड़ी समस्या शादियों और अन्य आयोजनों के समय सामने आती है। गार्डन में स्कूल और कार्यक्रम एक साथ होने पर पार्किंग, शोर-शराबा और आवागमन पूरी तरह बाधित हो जाता है। गार्डनो में संचालित स्कूलों के कारण सुबह-शाम वाहनों की भीड़ लग जाती है, जिससे जाम की स्थिति बन जाती है। जिम्मेदार अधिकारी इस ओर ध्यान नहीं दे रहे। स्कूलों के संचालक मनमाने ढंग से भवनों का उपयोग कर रहे हैं, जबकि नियमानुसार स्कूल संचालन के लिए अलग से शैक्षणिक भवन, खेल मैदान और सुरक्षा मानकों का पालन अनिवार्य है।मालनपुर-ग्वालियर सीमा क्षेत्र में बिना मान्यता और मानकों के संचालित हो रहे इन स्कूलों की जांच कराई जाए। दोषी पाए जाने पर कड़ी कार्रवाई की जाए, ताकि बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। अब देखना होगा कि प्रशासन इस मामले को गंभीरता से लेता है या फिर गार्डन और घरों में चल रहे स्कूल इसी तरह चलते रहेंगे. इस संबंध में शिक्षा विभाग के अधिकारियों से बात करनी चाही तो संपर्क नहीं हो सका।

मां पोहरा देवी वूमेन एंड चिल्ड्रन वेल्फेयर सोसायटी की पहल, पर्यावरण दिवस पर युवाओं ने बढ़-चढ़कर लिया हिस्सा

महेन्द्र मालवीय

बुरहानपुर जिले के नेपानगर क्षेत्र विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर बुरहानपुर जिले के नेपानगर क्षेत्र के ग्राम घाघरला में मां पोहरा देवी वूमेन एंड चिल्ड्रन वेल्फेयर सोसायटी द्वारा "एक पेड़ मां के नाम" अभियान के तहत पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान युवाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते हुए पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। कार्यक्रम के दौरान संस्था के उपाध्यक्ष राहुल राठौड़ ने जानकारी देते हुए बताया कि उनकी संस्था पिछले तीन वर्षों से लगातार सामाजिक, धार्मिक, शिक्षा, स्वास्थ्य और स्वच्छता जैसे क्षेत्रों में सक्रिय रूप से कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि संस्था द्वारा बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों को शिक्षा, स्वास्थ्य और स्वच्छता के प्रति लगातार जागरूक किया जा रहा है। जिला संयोजक सोनू पवार ने बताया कि संस्था के कार्यों से प्रेरित होकर कई माता-पिता अब अपने बच्चों को स्कूल भेज रहे हैं और स्वच्छता को भी अपनाने लगे हैं।

वहीं संस्था के सदस्य पवन राठौड़ ने कहा कि बाल विवाह जैसे गंभीर सामाजिक मुद्दों पर जागरूकता फैलाने के लिए संस्था लगातार प्रयासरत है। वहीं सुरेश राठौड़ ने बताया कि संस्था नशा मुक्ति और सामाजिक सुधार के लिए भी लगातार लोगों को जागरूक कर रही है। विश्व पर्यावरण दिवस पर आयोजित इस कार्यक्रम में युवाओं ने प्रकृति संरक्षण का संकल्प लेते हुए पौधारोपण किया और पर्यावरण बचाने का संदेश दिया।

एक पेड़ सिर्फ पौधा नहीं, आने वाली पीढ़ियों के लिए जीवन की उम्मीद है।

इस दौरान संस्था के सदस्य इंदल सिंह राठौड़, देवेंद्र राठौड़, चेतन राठौड़,गोपाल चौहान, विकास पवार, सुदामा चौहान ,कन्हैया चौहान, अजय दरबार राठौड़, योगेश राठौड़, कृपाल राठौड़, नेमीदास राठौड़, प्रांजल पाटिल एवं ग्रामीण मौजूद रहे।